प्रारंभिक परीक्षा

रसेल वाइपर(Russell's viper)

संदर्भ

शोधकर्ताओं ने पाया है कि **दो मौजूदा दवाएं, वेरेसप्लाडिब और मैरीमास्टैट, रसेल वाइपर के काटने का प्रभावी ढंग से उपचार कर सकती हैं,** जो भारत में कई मौतों का कारण बनता है।

रसेल वाइपर के बारे में -

- **वैज्ञानिक नाम:** दबोइया रसेलि
- **नाम दिया गया:** पैट्रिक रसेल, स्कॉटिश सरीसृप विज्ञानी के नाम पर
- **परिवार:** वाइपरिडे (अत्यधिक विषैला)
- **भारत के "चार सबसे ख़तरनाक" साँपों में से एक (अन्य: कॉमन क्रेट, इंडियन कोबरा, सॉ-स्केल्ड वाइपर)**
- भारत और दक्षिण एशिया में सर्पदंश से होने वाली मौतों का प्रमुख कारण
- **पाया जाता है:** भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल, पाकिस्तान, म्यांमार, थाईलैंड, कंबोडिया, चीन, ताइवान, इंडोनेशिया

प्राकृतिक वास -

- खुले घास/झाड़ी वाले क्षेत्रों, झाड़ियों वाले जंगलों, खेत और बागानों को तरजीह देता है।
- घने जंगलों से दूर रहता है।
- अक्सर कृंतक शिकार और खेत की मौजूदगी के कारण मनुष्यों के पास पाया जाता है।
- काटने की घटनाएं आमतौर पर दुर्घटनावश होती हैं; सक्रिय रूप से हमला नहीं करता है।

व्यवहार और विशेषताएँ -

- ज़्यादातर रात में सक्रिय और गतिहीन
- 1.5 मीटर तक बढ़ता है
- काले-सफ़ेद रूपरेखा वाले लाल-भूरे रंग के धब्बों से पहचाना जाता है
- त्रिकोणीय सिर, छोटी ऊर्ध्वाधर-पुतली आँखें, और ओवरलैपिंग स्केल
- शाम को सक्रिय हो जाता है

खतरा -

- देरी से उपचार के कारण मौतें होती हैं
- विष रक्त के जमने और गुर्दों को प्रभावित करता है

संरक्षण की स्थिति -

- **आईयूसीएन रेड लिस्ट:** सबसे कम जोखिम में **(Least Concern)**

स्रोत: TheHindu

विटिलिगो(Vitiligo)

संदर्भ

विश्व विटिलिगो दिवस (25 जून) से पहले, विटिलिगो के बारे में जागरूकता बढ़ाने, हानिकारक मिथकों को दूर करने तथा प्रभावित लोगों के लिए समावेशिता और सम्मान को बढ़ावा देने के प्रयासों ने ध्यान आकर्षित किया है।

विटिलिगो क्या है?

- **एक ऐसी स्थिति जिसके कारण त्वचा का रंग धब्बे के रूप में नष्ट हो जाता है।**
- यह शरीर के किसी भी हिस्से को प्रभावित कर सकता है, जिसमें हाथ, चेहरा, पैर, अग्रबाहु और मुंह के अंदर का हिस्सा शामिल है।
- बालों को भी प्रभावित कर सकता है, जिससे सफेद या भूरे धब्बे हो सकते हैं।
- धब्बे समय के साथ बड़े हो जाते हैं।

कारण -

- **यह रोग प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा मेलानोसाइट्स (मेलेनिन उत्पन्न करने वाली कोशिकाएं) के विनाश के कारण होता है।**
- मेलेनिन वह वर्णक है जो त्वचा, बाल और आंखों को उनका रंग देता है।
- **लगभग 30% मामले आनुवांशिक होते हैं।**
- सटीक कारण अभी भी अनुसंधान के अधीन है।

कौन प्रभावित है?

- यह सभी नस्लों और लिंगों को समान रूप से प्रभावित करता है।
- गहरे रंग की त्वचा वाले लोगों में यह अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।
- वैश्विक जनसंख्या का लगभग 1% प्रभावित है।

स्थिति की प्रकृति -

- जीवन के लिए खतरा नहीं है।
- **संक्रामक नहीं है।**
- सामाजिक कलंक के कारण अधिकतर यह एक कॉस्मेटिक और मनोवैज्ञानिक चिंता है।

उपचार -

- **कोई स्थायी उपचार नही।**
- कुछ मामलों में उपचार से त्वचा का रंग बहाल करने में मदद मिल सकती है।
- यह प्रगति को नहीं रोकता या पुनरावृत्ति को नहीं रोकता।

स्रोत: **TheHindu**

क्वांटम संचार(Quantum Communication)

संदर्भ

डीआरडीओ और आईआईटी-दिल्ली ने 1 किलोमीटर की मुक्त-आकाशीय (free space) क्वांटम संचार का सफल प्रदर्शन किया है, जो भारत में सुरक्षित, हैक-प्रूफ रक्षा संचार की दिशा में एक बड़ा कदम है।

क्वांटम संचार के बारे में -

- **यह सूचना भेजने की एक विधि है, जिसमें प्रकाश कणों (फोटॉनों) जैसे सूक्ष्म कणों का उपयोग अत्यधिक सुरक्षित तरीके से किया जाता है।**
- यह क्वांटम भौतिकी के सिद्धांतों, विशेष रूप से क्वांटम एंटेंगलमेंट (Quantum Entanglement) पर आधारित होती है, जो संचार चैनलों को पूरी तरह लीक-प्रूफ बना देती है।
- संचार में किसी भी प्रकार की सेंधमारी का प्रयास तुरंत क्वांटम अवस्था को बदल देता है, जिससे सुरक्षा में सेंध का पता चल जाता है।
- यही कारण है कि यह रक्षा और महत्वपूर्ण ढांचागत क्षेत्रों (Critical Infrastructure) के लिए आदर्श मानी जाती है।
- इसमें उपयोग की जाने वाली मुख्य विधि **क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन (QKD)** है — जो एन्क्रिप्शन कुंजियों को सुरक्षित रूप से साझा करने का तरीका है।
- **क्वांटम एंटेंगलमेंट का अर्थ है कि दो कण आपस में इस प्रकार जुड़े होते हैं कि एक में कोई भी परिवर्तन दूसरे को भी, दूरी की परवाह किए बिना, प्रभावित करता है।**

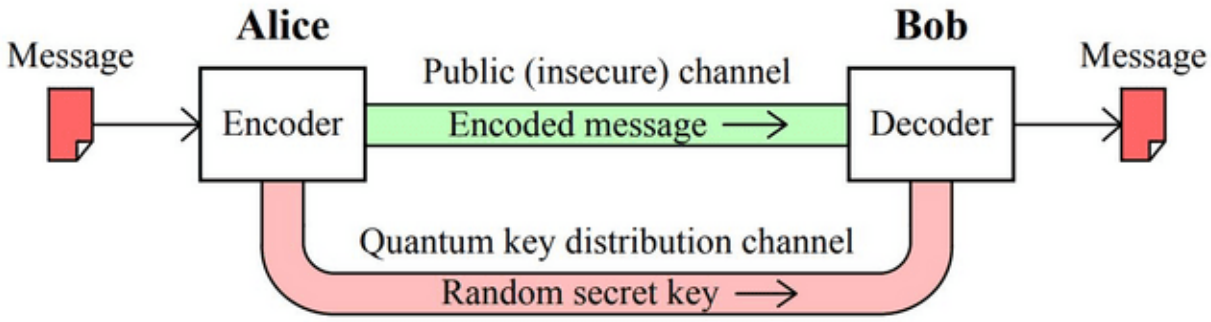

क्वांटम संचार के अनुप्रयोग -

1. **सैन्य एवं सरकार**: अत्यधिक संवेदनशील डेटा का सुरक्षित, जासूसी-रहित संचार संभव बनाता है।
2. **बैंकिंग क्षेत्र:** ऑनलाइन बैंकिंग और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय लेनदेन की सुरक्षा के लिए QKD का उपयोग करता है।
3. **पावर ग्रिड**: महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को साइबर हमलों से सुरक्षित करता है जो बिजली की आपूर्ति को बाधित कर सकते हैं।
4. **उपभोक्ता निजता**: क्लाउड स्टोरेज और ई-कॉमर्स सहित इंटरनेट उपयोग के दौरान व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा को बढ़ाता है।
5. **वैज्ञानिक सहयोग**: संस्थानों के बीच अनुसंधान और स्वामित्व डेटा का सुरक्षित साझाकरण सुनिश्चित करता है।
6. **नेविगेशन (जैसे, जीपीएस):** छेड़छाड़-रहित, सुरक्षित सिग्नल प्रदान करता है, नेविगेशन प्रणालियों की विश्वसनीयता और सुरक्षा में सुधार करता है।

स्रोत: TheHindu

ऑपरेशन सिंधु

संदर्भ

ईरान-इजराइल संघर्ष के कारण ईरान से बचाए गए 110 भारतीय छात्रों को लेकर ऑपरेशन सिंधु का पहला विमान सुरक्षित रूप से नई दिल्ली में उतरा।

ऑपरेशन सिंधु के बारे में -

- **ऑपरेशन सिंधु ईरान में संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों से भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए सरकार के नेतृत्व वाला मिशन है।**
- **इसे भारत सरकार के विदेश मंत्रालय (MEA) द्वारा लॉन्च किया गया है।**
- इस ऑपरेशन को ईरान और आर्मेनिया में भारतीय दूतावासों का समर्थन प्राप्त है।
- इसका मुख्य उद्देश्य ईरान के युद्ध प्रभावित क्षेत्रों से भारतीय नागरिकों, विशेषकर छात्रों को सुरक्षित निकालना है।
- निकासी मार्ग में उत्तरी ईरान से लोगों को येरेवन, आर्मेनिया और फिर नई दिल्ली ले जाना शामिल है।
- भारतीय दूतावास स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रहा है और स्थानीय सरकारों के साथ सक्रिय रूप से समन्वय कर रहा है।
- निरंतर सहायता प्रदान करने के लिए नई दिल्ली में 24/7 MEA नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।

भारत द्वारा अन्य निकासी मिशन -

वंदे भारत मिशन	कोविड-19 के दौरान विदेश में फंसे भारतीयों की वापसी (2020)
ऑपरेशन देवी शक्ति	तालिबान के कब्जे के बाद अफगानिस्तान से भारतीयों की वापसी (2021)
ऑपरेशन गंगा	यूक्रेन के युद्ध क्षेत्रों से भारतीयों की वापसी (2022)
ऑपरेशन कावेरी	सूडान संघर्ष से भारतीय नागरिकों का बचाव (2023)
ऑपरेशन अजय	संघर्ष के दौरान इज़रायल से भारतीयों की वापसी (2023)
ऑपरेशन सिंधु	युद्ध प्रभावित ईरान से जारी वापसी (2025)

स्रोत: **TheHindu**

शक्ति अभ्यास

संदर्भ

शक्ति अभ्यास-VIII चर्चा में है, क्योंकि **भारत और फ्रांस ने 18 जून 2025 से फ्रांस में अपना संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किया है**, जो रक्षा संबंधों और अंतर-संचालन को मजबूत करेगा।

शक्ति अभ्यास के बारे में -

- **शक्ति अभ्यास का 8वां संस्करण 18 जून से 1 जुलाई 2025 तक कैंप लार्ज़ाक, ला कैवेलरी, फ्रांस में आयोजित किया जा रहा है।**
- **यह भारत और फ्रांस के बीच द्विवार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास है।**
- भारतीय सेना की टुकड़ी में 90 कार्मिक शामिल हैं , जिनमें मुख्य रूप से जम्मू और कश्मीर राइफल्स के जवान शामिल हैं।
- फ्रांसीसी टुकड़ी में 90 कर्मी भी हैं, जिनमें 13वीं विदेशी लीजन हाफ-ब्रिगेड (13वीं डीबीएलई) के सैनिक भी शामिल हैं।
- **इस अभ्यास का उद्देश्य अंतरसंचालनीयता, परिचालन समन्वय और सैन्य-से-सैन्य संबंधों को बढ़ावा देना है।**
- संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय VII के अंतर्गत उप-परंपरागत युद्ध में संयुक्त संचालन पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
- प्रशिक्षण अर्द्ध-शहरी इलाकों में आयोजित किया जाता है।
- गतिविधियों में सामरिक अभ्यास, टीटीपी (रणनीति, तकनीक और प्रक्रिया) को साझा करना तथा नई पीढ़ी के उपकरणों का उपयोग शामिल है।
- यह अभ्यास शारीरिक सहनशक्ति, टीम भावना और आपसी सम्मान को बढ़ावा देता है।
- यह भारत और फ्रांस के बीच मजबूत होते रक्षा सहयोग और रणनीतिक साझेदारी को दर्शाता है।

स्रोत: PIB

रिंडरपेस्ट वायरस(Rinderpest Virus)

संदर्भ

भारत ने वैश्विक पशु स्वास्थ्य में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है, जब **भोपाल स्थित आईसीएआर-राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान (NIHSAD) को श्रेणी ए रिंडरपेस्ट होल्डिंग सुविधा (RHF) के रूप में नामित किया गया है।**

रिंडरपेस्ट के बारे में -

- **इसे मवेशी प्लेग के नाम से भी जाना जाता है, यह एक अत्यधिक संक्रामक वायरल रोग है जो गाय और भैंस जैसे खुर वाले पशुओं को प्रभावित करता है।**
- **पैरामाइक्सोविरिडे परिवार, जीनस मोर्बिलिवायरस के एक वायरस के कारण होता है।**
- जबकि भेड़ और बकरियों जैसे पशुओं में हल्के लक्षण दिख सकते हैं, गाय और भैंसों में अतिसंवेदनशील झुंडों में 100% तक मृत्यु दर हो सकती है।
- अन्य संवेदनशील प्रजातियों में ज़ेबस, एलैंड, कुडू, वाइल्डबीस्ट, जिराफ़, मृग, बुशपिग्स और वॉर्थोग शामिल हैं।
- इसका संक्रमण सीधे संपर्क के माध्यम से होता है; लक्षण प्रकट होने से पहले वायरस नाक के स्राव में पाया जाता है, तथा बाद में अधिकांश शारीरिक तरल पदार्थों में पाया जाता है।
- **मवेशियों में निम्नलिखित लक्षण शामिल हैं:**
  - तेज़ बुखार
  - मुँह के घाव
  - नाक और आंख से स्राव
  - गंभीर दस्त और निर्जलीकरण
  - **मृत्यु आमतौर पर 10-15 दिनों के भीतर हो जाती है**
- **रिंडरपेस्ट मनुष्यों को प्रभावित नहीं करता है और इससे कोई सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरा नहीं है।**
- **ऐतिहासिक रूप से यह यूरोप, अफ्रीका और एशिया में पाया जाता था, और 2011 में आधिकारिक तौर पर इसका उन्मूलन कर दिया गया।**

रिंडरपेस्ट होल्डिंग सुविधा (RHF) पदनाम -

- **विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (WOAH) और संयुक्त राष्ट्र के FAO द्वारा दिया गया।**
- **इसका उद्देश्य दुनिया भर में कुछ सुरक्षित प्रयोगशालाओं तक रिंडरपेस्ट वायरस-युक्त सामग्री (RVCM) के भंडारण को सीमित करके इसके पुनः उभरने को रोकना है।**
- **ICAR-NIHSAD (भोपाल) को 2012 में भारत का आधिकारिक RVCM भंडार नामित किया गया था।**
- यह एक जैव सुरक्षा स्तर-3 (BSL-3) सुविधा है और एवियन इन्फ्लूएंजा के लिए WOAH संदर्भ प्रयोगशाला है।
- कठोर मूल्यांकन के बाद, इसे एक वर्ष के लिए श्रेणी A RHF का दर्जा दिया गया
- भारत अब उन छह वैश्विक सुविधाओं में से एक है जिन्हें रिंडरपेस्ट वायरस सामग्री को सुरक्षित रूप से रखने का काम सौंपा गया है।

स्रोत: NewsOnAir

सरस्वती राजमणि

संदर्भ

सरस्वती राजमणि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान **भारत की पहली महिला जासूस** थीं।

सरस्वती राजमणि के बारे में -

- 11 जनवरी 1927 को रंगून (अब यांगून), बर्मा में एक समृद्ध स्वतंत्रता सेनानी परिवार में जन्म हुआ।
- 10 वर्ष की आयु में उन्होंने महात्मा गांधी को बंदूक चलाकर और "ब्रिटिशों को गोली मारने" की घोषणा करके प्रभावित किया।
- **16 वर्ष की आयु में नेताजी सुभाष चंद्र बोस से गहराई से प्रेरित होकर उन्होंने अपने सारे सोने और हीरे के आभूषण आज़ाद हिंद फौज को दान कर दिए और नेताजी ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से "सरस्वती" नाम दिया।**
- **उन्होंने झांसी की रानी रेजिमेंट में शामिल होकर भारत की पहली महिला जासूस बनने का गौरव प्राप्त किया, "मणि" नाम का छद्म नाम अपनाया और लड़के के वेश में काम किया।**
- उन्होंने ब्रिटिश शिविरों में गुप्त रूप से काम करते हुए आज़ाद हिंद फौज के लिए आदेश और खुफिया सूचनाएं दो वर्षों तक जुटाईं।
- एक साथी जासूस को बचाने के लिए उन्होंने नर्तकी का वेश धारण कर साहसिक अभियान चलाया; अधिकारियों को चकमा देकर गोलियों की बौछार के बीच भाग निकलीं और उनके पैर में गोली लगने के कारण जीवनभर लंगड़ाकर चलना पड़ा।
- **उन्हें जापान के सम्राट द्वारा पदक दिया गया और आज़ाद हिंद फौज की झांसी की रानी ब्रिगेड में लेफ्टिनेंट का पद प्रदान किया गया।**
- आज़ाद हिंद फौज के विघटन के बाद वे लगभग निर्धन अवस्था में भारत लौटीं और चेन्नई में सादा जीवन बिताया; 2005 में तमिलनाडु की मुख्यमंत्री जयललिता ने उन्हें आवास और आर्थिक सहायता प्रदान की।
- **13 जनवरी 2018 को चेन्नई में उनका निधन हुआ; उनके असाधारण जीवन को बाद में लेखों, फिल्मों और शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से पुनर्जीवित किया गया।**
- **'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के तहत 10 वर्षीय जुड़वां बहनों, देवयानी और शिवरंजनी ने सरस्वती राजमणि — भारत की सबसे युवा महिला जासूस — पर एक चित्रात्मक पुस्तक लिखी।**

स्रोत: **TheHindu**

पद्म भूषण

संदर्भ

राम बहादुर राय को हाल ही में **पत्रकारिता और साहित्य में उनके उत्कृष्ट योगदान** के लिए **पद्म भूषण से सम्मानित** किया गया।

पद्म पुरस्कारों के बारे में -

- **1954 में स्थापित पद्म पुरस्कार भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक हैं।**
- प्रारंभ में, पद्म पुरस्कारों की तीन श्रेणियां थीं: **पहला वर्ग, दूसरा वर्ग और तीसरा वर्ग।**
    - **इनका नाम 1955 में बदला गया पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री के रूप में।**
- सार्वजनिक सेवा और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता को मान्यता देने के लिए **प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) पर इसकी घोषणा की जाती है।**
- **ये पुरस्कार तीन श्रेणियों में प्रदान किये जाते हैं:**
    - **पद्म विभूषण** – असाधारण एवं विशिष्ट सेवा के लिए।
    - **पद्म भूषण** - उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए।
    - **पद्मश्री** – विशिष्ट सेवा के लिए।
- **पद्म विभूषण सर्वोच्च है, उसके बाद पद्म भूषण और फिर पद्म श्री है।**
- **मार्च/अप्रैल के दौरान आयोजित एक समारोह में भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाता है।**
- प्राप्तकर्ताओं को एक सनद (प्रमाणपत्र), पदक और औपचारिक उपयोग के लिए एक प्रतिकृति दी जाती है।
- **कला, साहित्य, विज्ञान, शिक्षा, सामाजिक कार्य, चिकित्सा, सिविल सेवा, सार्वजनिक मामले, उद्योग, खेल आदि जैसे विविध क्षेत्रों में दिया जाता है।**
- सभी व्यक्ति, चाहे उनकी जाति, लिंग, व्यवसाय या पद कुछ भी हो, पात्र हैं।
- **2014 से सरकार पद्म पुरस्कारों के माध्यम से "गुमनाम नायकों" को उजागर कर रही है और उन्हें "लोगों का पद्म" नाम दे रही है।**
- हाल ही में आयोजित पुरस्कारों में **30 गुमनाम व्यक्तियों को सम्मानित** किया गया।
- चयन कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता वाली पद्म पुरस्कार समिति द्वारा किया जाता है और इसमें निम्नलिखित शामिल हैं:
    - गृह सचिव,
    - राष्ट्रपति के सचिव,
    - 4–6 प्रतिष्ठित व्यक्ति
- समिति अंतिम अनुमोदन के लिए प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को सिफारिशें प्रस्तुत करती है।
- असाधारण मामलों को छोड़कर, मरणोपरांत पुरस्कार आमतौर पर नहीं दिए जाते।
- उच्च श्रेणी का पुरस्कार पांच वर्ष के बाद ही दिया जा सकता है, जब तक कि समिति अन्यथा अनुमति न दे।
- **यह पुरस्कार कोई उपाधि नहीं है और इसका उपयोग प्राप्तकर्ता के नाम के उपसर्ग या प्रत्यय के रूप में नहीं किया जा सकता।**
- **केवल 120 पुरस्कार दिए जाते हैं (मरणोपरांत, एनआरआई, ओसीआई और विदेशी प्राप्तकर्ताओं को छोड़कर)।**

स्रोत: PIB

देसी ऊन

संदर्भ

"देसी ऊन" ने एनेसी फेस्टिवल 2025 में शीर्ष सम्मान जीता।

देसी ऊन के बारे में -

- **सुरेश एरियात द्वारा निर्मित और स्टूडियो ईक्सॉरस द्वारा निर्मित एनिमेटेड शॉर्ट फिल्म "देसी ऊन" ने एनेसी इंटरनेशनल एनिमेशन फेस्टिवल 2025 में जूरी अवार्ड जीता।**
- **क्रिएट इन इंडिया चैलेंज के तहत वेव्स अवार्ड्स ऑफ एक्सीलेंस 2025 में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार जीता।**
- फिल्म क्राफ्ट लायंस श्रेणी में कान्स लायंस 2025 में शॉर्टलिस्ट किया गया।

वेव्स 2025 के बारे में -

- **WAVES का पूरा नाम World Audio Visual & Entertainment Summit (विश्व ऑडियो-विज़ुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन) है।**
- यह भारत सरकार द्वारा आयोजित एक वैश्विक कार्यक्रम है।
- **इसका लक्ष्य भारत को मीडिया नवाचार, बौद्धिक संपदा (आईपी) सृजन और सामग्री विकास के केंद्र के रूप में स्थापित करना है।**
- **इसमें निम्नलिखित क्षेत्र शामिल हैं:**
    - प्रसारण,
    - फ़िल्में,
    - टेलीविजन,
    - रेडियो,
    - एनीमेशन,
    - गेमिंग,
    - कॉमिक्स,
    - विज्ञापन देना,
- उभरती हुई प्रौद्योगिकियाँ जैसे जनरेटिव एआई, एआर/वीआर/एक्सआर, और डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म।
- यह भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को समर्थन देता है, जिसका मूल्य 30 बिलियन डॉलर है तथा इसमें लगभग 8% कार्यबल को रोजगार मिला हुआ है।
- मीडिया एवं मनोरंजन (एम एंड ई) क्षेत्र को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- **भारत का मीडिया एवं मनोरंजन क्षेत्र वर्तमान में विश्व में 5वां सबसे बड़ा क्षेत्र है।**
- **2028 तक यह 44.2 बिलियन डॉलर तक बढ़ जाएगा।**

स्रोत: PIB

प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY)

संदर्भ

केंद्र ने PMAY के तहत 2.35 लाख घरों के निर्माण को मंजूरी दी।

प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY) के बारे में -

- **यह देश भर में निम्न और मध्यम आय वाले निवासियों को किफायती आवास उपलब्ध कराने के लिए शुरू की गई एक क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी योजना है।**
- **घटक:**
  - **PMAY-U (शहरी)**
    - **उद्देश्य:** शहरी क्षेत्रों में सभी के लिए आवास उपलब्ध कराना।
    - **नोडल मंत्रालय:** आवास और शहरी मामलों का मंत्रालय (MoHUA)
    - **लाभार्थी:** आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस), निम्न आय वर्ग (एलआईजी) और मध्यम आय वर्ग (एमआईजी)।
  - **PMAY-G (ग्रामीण)**
    - **उद्देश्य:** उन सभी ग्रामीण परिवारों को बुनियादी सुविधाओं के साथ पक्का मकान उपलब्ध कराना जो बेघर हैं या कच्चे या जीर्ण-शीर्ण मकानों में रह रहे हैं।
    - **नोडल मंत्रालय:** ग्रामीण विकास मंत्रालय (एमओआरडी)
    - **लाभार्थी: सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना (एसईसीसी) 2011** का उपयोग करके पहचाना गया।
    - शौचालय निर्माण के लिए स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) और मजदूरी रोजगार के लिए मनरेगा जैसी अन्य योजनाओं के साथ अभिसरण को भी प्रोत्साहित करता है।

स्रोत: The Hindu

संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन (UNOC)

संदर्भ

संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन 2025 फ्रांस के नीस में आयोजित किया गया।

UNOC के बारे में -

- **महासागर संरक्षण और समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग के लिए कार्रवाई में तेजी लाने हेतु एक वैश्विक मंच।**
- समुद्री संरक्षित क्षेत्र (एमपीए) स्थापित करने, अत्यधिक मछली पकड़ने को कम करने, गहरे समुद्र में खनन को रोकने और एसडीजी 14 (पानी के नीचे जीवन) को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
- तीसरा संस्करण हाल ही में फ्रांस में आयोजित किया गया था।

BBNJ (राष्ट्रीय अधिकार क्षेत्र से परे जैव विविधता) के बारे में -

- **इसे उच्च सागर संधि के नाम से भी जाना जाता है।**
- **इसका लक्ष्य राष्ट्रीय अधिकार क्षेत्र (उच्च समुद्र) से परे क्षेत्रों में समुद्री जैव विविधता का संरक्षण और स्थायी उपयोग करना है।**
- चार मुख्य क्षेत्रों को संबोधित करता है:
  - समुद्री संरक्षित क्षेत्र
  - पर्यावरणीय प्रभाव आकलन
  - समुद्री आनुवंशिक संसाधन और लाभ साझाकरण
  - क्षमता निर्माण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण
- **60 अनुसमर्थन की आवश्यकता है; अब तक 56 देशों ने अनुसमर्थन किया है (भारत और अमेरिका ने अभी तक अनुसमर्थन नहीं किया है)।**

UNOC 2025(फ्रांस) में प्रमुख उपलब्धियां -

- **BBNJ संधि के लिए 60 में से 56 अनुसमर्थन प्राप्त हुए।**
- **यूरोपीय आयोग**: महासागर संरक्षण, विज्ञान और टिकाऊ मत्स्य पालन के लिए €1 बिलियन।
- **फ्रेंच पोलिनेशिया**: विश्व का सबसे बड़ा एमपीए (5 मिलियन वर्ग किमी) घोषित किया गया।
- **न्यूजीलैंड**: प्रशांत द्वीप समूह में महासागर प्रशासन के लिए 52 मिलियन डॉलर।
- **जर्मनी**: बाल्टिक और उत्तरी सागर में युद्धकालीन हथियारों की सफाई के लिए €100 मिलियन।
- **पनामा और कनाडा के नेतृत्व वाला गठबंधन**: महासागरीय ध्वनि प्रदूषण से निपटने के लिए शांत महासागर के लिए उच्च महत्वाकांक्षा गठबंधन की शुरुआत की गई।
- **इटली**: समुद्री निगरानी को बढ़ावा देने के लिए 6.5 मिलियन यूरो।
- **कनाडा**: छोटे द्वीपीय और तटीय देशों में जलवायु लचीलापन विकसित करने के लिए 9 मिलियन डॉलर
- **स्पेन**: अपने समुद्री क्षेत्र के 25% हिस्से की सुरक्षा के लिए पांच नए एम.पी.ए. की घोषणा की।
- **संयुक्त राष्ट्र एजेंसियां**: नीली अर्थव्यवस्था के लिए वित्त पोषण को अनलॉक करने के लिए वन ओशन फाइनेंस का शुभारंभ किया।

स्रोत: The Hindu

समाचार संक्षेप में

माउंट डेनाली

खबर? केरल के पर्वतारोही शेख हसन खान ने माउंट डेनाली पर भयंकर बर्फीले तूफान में फंसने के बाद एसओएस सिग्नल जारी किया है।

माउंट डेनाली के बारे में -

- **यह उत्तरी अमेरिका की सबसे ऊंची चोटी है।**
- **अलास्का रेंज में स्थित है।**

संपादकीय सारांश

वर्तमान इजरायल-ईरान संघर्ष के संभावित परिणाम

संदर्भ

13 जून को इजरायल ने ईरान के परमाणु और सैन्य स्थलों पर बड़े हवाई हमले किए, जिसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर ईरानी जवाबी कार्रवाई शुरू हो गई, क्षेत्रीय संघर्ष बढ़ गया और युद्ध तथा अस्थिरता को लेकर वैश्विक चिंताएं बढ़ गईं।

निहितार्थ -

- **क्षेत्रीय अस्थिरता:** तीव्र संघर्ष के कारण लेबनान, सीरिया और खाड़ी देशों के युद्ध में घसीटने का खतरा है, जिससे क्षेत्रीय सुरक्षा संरचना कमजोर हो सकती है।
- **परमाणु प्रसार का खतरा:** ईरान के परमाणु स्थलों का अपूर्ण विनाश तेहरान को गुप्त रूप से शस्त्रीकरण में तेजी लाने के लिए प्रेरित कर सकता है।
- **नागरिकों की पीड़ा और विस्थापन:** दोनों देशों में नागरिकों की हताहती और बुनियादी ढांचे की क्षति से मानवीय संकट और घरेलू अशांति बढ़ सकती है।
- **अमेरिकी भू-राजनीतिक दुविधा:** अमेरिका पर हस्तक्षेप करने का दबाव बढ़ रहा है, जिससे इजरायल और खाड़ी सहयोगियों के बीच सामरिक संतुलन जटिल हो रहा है।
- **वैश्विक ध्रुवीकरण:** यह संघर्ष इजरायल समर्थक पश्चिमी शक्तियों और चीन और रूस जैसे कूटनीतिक संयम का समर्थन करने वाले देशों के बीच दरार को बढ़ा सकता है।
- **आर्थिक अस्थिरता और तेल आघात जोखिम:** बढ़ते संघर्ष से होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से वैश्विक तेल मार्गों को खतरा है, जिसका ऊर्जा बाजार, मुद्रास्फीति और व्यापार पर प्रभाव पड़ेगा।

युद्ध के लक्ष्य हासिल करने में क्या चुनौतियाँ हैं?

- **परमाणु सुविधाओं को आंशिक क्षति:** जबकि IAEA ने नतांज और इस्फ़हान जैसे स्थलों पर बड़ी क्षति की पुष्टि की है, ईरान की अत्यधिक सुरक्षित फोर्डो सुविधा बड़े पैमाने पर अप्रभावित रही है, जिसका अर्थ है कि इज़राइल ने ईरान की परमाणु क्षमताओं को प्रभावी रूप से बेअसर नहीं किया है।
- **ईरान के लगातार जवाबी हमले:** प्रारंभिक आघातों के बावजूद ईरान ड्रोन और मिसाइलों का प्रक्षेपण जारी रखे हुए है, जिससे इजरायल की शीघ्र और निर्णायक परिणाम की उम्मीदें धराशायी हो रही हैं।
- **लम्बे समय तक गतिरोध का खतरा:** ईरान के प्रमुख प्रतिष्ठान अभी भी क्रियाशील हैं तथा वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ रही है, अतः अब इजरायल के सामने एक लम्बे, महंगे तथा अनिर्णायक युद्ध में फंसने की संभावना है।

आगे की राह -

- **तत्काल युद्ध विराम मध्यस्थता:** संयुक्त राष्ट्र या खाड़ी देशों जैसे तटस्थ पक्षों को व्यापक युद्ध को रोकने के लिए युद्ध विराम की मध्यस्थता करनी चाहिए।
- **राजनयिक चैनल पुनः खोलें:** दोनों पक्षों को संभवतः ओमान, यूएई या यूरोपीय संघ के मध्यस्थों के माध्यम से बैकचैनल वार्ता की ओर प्रेरित किया जाना चाहिए।
- **वैश्विक परमाणु अप्रसार प्रयास:** अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को अंतर्राष्ट्रीय निगरानी के साथ ईरान के परमाणु कार्यक्रम का निरीक्षण करने और उसे स्थिर करने का अधिकार दिया जाना चाहिए।
- **बाह्य हस्तक्षेप को सीमित करना:** अमेरिका, रूस और चीन को प्रत्यक्ष उलझाव से बचना चाहिए तथा इसके बजाय तनाव कम करने के उपायों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।
- **मानवीय सहायता:** इजरायल और ईरान दोनों में प्रभावित नागरिकों के लिए तत्काल अंतर्राष्ट्रीय सहायता की आवश्यकता है।
- **मूल तनावों का समाधान:** दीर्घकालिक शांति के लिए एक नए पश्चिम एशिया सुरक्षा ढांचे के माध्यम से ईरान-इजराइल शत्रुता का समाधान करना आवश्यक है।

स्रोत: The Hindu

IBC में ऋणदाता की शक्ति को उत्तरदायी बनाना

संदर्भ

ऋणदाताओं की समिति (COC) के अनियंत्रित विवेकाधिकार, पारदर्शिता की कमी और प्रमुख निर्णय लेने में प्रक्रियागत अस्पष्टता से संबंधित चिंताएं बढ़ रही हैं।

IBC, 2016 के अंतर्गत COC क्या है?

- **ऋणदाताओं की समिति (COC) दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 (Insolvency and Bankruptcy Code, 2016) के तहत एक केंद्रीय निर्णय लेने वाली संस्था है।**
- इसमें वित्तीय ऋणदाता शामिल हैं और इसे निम्नलिखित अधिकार प्राप्त हैं:
  - समाधान योजना को स्वीकृत या अस्वीकृत करना।
  - परिसमापन पर निर्णय लेंना
  - समाधान पेशेवर को नियुक्त करना या बदलना।
- **इसके निर्णयों के लिए 66% बहुमत की आवश्यकता होती है और इन्हें सभी हितधारकों पर बाध्यकारी माना जाता है।**
- **न्यायालयों ने अधिकांश मामलों में COC के "व्यावसायिक विवेक" को गैर-न्यायसंगत माना है, तथा इसे व्यापक स्वायत्तता प्रदान की है।**

COC के बारे में बढ़ती चिंताएं -

- **अनियंत्रित विवेकाधिकार:** न्यायालय आमतौर पर COC के निर्णयों में हस्तक्षेप नहीं करते हैं, यह मानते हुए कि वे अच्छी तरह से सूचित और तर्कसंगत हैं।
  - हालाँकि, निर्णय अक्सर पारदर्शिता या तर्क के बिना लिए जाते हैं।
- **अस्पष्ट निर्णय-प्रक्रिया:** COC के लिए यह खुलासा करने की कोई कानूनी आवश्यकता नहीं है कि निर्णय कैसे या क्यों लिए जाते हैं।
  - समाधान योजनाओं को बिना किसी औचित्य के स्वीकार/अस्वीकार कर दिया जाता है, जिससे अनिश्चितता उत्पन्न होती है।
- **विनियामक खामियाँ:** 2020 में विनियमन 39(3) को हटाने से समाधान निर्णयों के लिए कारणों को दर्ज करने का आदेश समाप्त हो गया, जिससे पारदर्शिता सुरक्षा उपाय कमज़ोर हो गए।
- **कदाचार के उदाहरण: कल्याणी ट्रांसको बनाम भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड (2025)** जैसे मामले COC द्वारा शक्ति के दुरुपयोग या प्रक्रियात्मक अनियमितताओं को उजागर करते हैं।

प्रभाव और परिणाम -

- **IBC में विश्वास की कमी:** स्पष्ट तर्क के बिना, निष्पक्ष निर्णय भी मनमाने प्रतीत होते हैं, जिससे दिवालियापन प्रक्रिया में विश्वास कम होता है।
- **उप-इष्टतम आर्थिक परिणाम:** कम वसूली दर या समय से पहले परिसमापन खराब निर्णय को दर्शा सकता है, लेकिन रिकॉर्ड के बिना, हितधारक निर्णयों के आधार का आकलन नहीं कर सकते हैं।
- **निष्पक्षता और वैधता का ह्रास:** बुनियादी पारदर्शिता तंत्र की अनुपस्थिति से यह प्रक्रिया परिचालन ऋणदाताओं और बोलीदाताओं के लिए अन्यायपूर्ण प्रतीत होती है।
- **गैर-जिम्मेदाराना शक्ति का प्रयोग:** ऋणदाता की सर्वोच्चता को स्वीकार किया जाता है, लेकिन प्रक्रियात्मक जांच के बिना, इसे अनुचित प्रभुत्व के रूप में माना जाने का खतरा होता है।

अन्य क्षेत्राधिकारों से सर्वोत्तम अभ्यास -

- **यूनाइटेड किंगडम – संरचित प्रकटीकरण:**
  - एसआईपी 3.2 (दिवालियापन अभ्यास विवरण 3.2): कंपनी स्वैच्छिक व्यवस्था (सीवीए) में स्पष्ट प्रकटीकरण की आवश्यकता होती है - वित्तीय, योजना विवरण और ऋणदाता प्रभाव।

- एसआईपी 16 (दिवालियापन अभ्यास का विवरण 16): प्रशासन में पूर्व-पैकेज्ड बिक्री को नियंत्रित करता है। प्रकटीकरण में मूल्यांकन, विपणन प्रयास और खरीदार विवरण शामिल हैं।

- **सिंगापुर:** दिवाला**,** पुनर्गठन और विघटन अधिनियम (आईआरडीए) न्यायिक निगरानी को ऋणदाता स्वायत्तता के साथ एकीकृत करता है , जिससे निष्पक्षता और जवाबदेही सुनिश्चित होती है।
- **वैश्विक प्रशासनिक मानदंड:** अधिकांश लोकतंत्रों में, अधिकारों को प्रभावित करने वाले निर्णय पारदर्शी और तर्कसंगत होने चाहिए, जो IBC सुधारों के लिए एक बेंचमार्क स्थापित करना।

IBC ढांचे के लिए आगे की राह -

- **प्रकटीकरण आवश्यकताओं को बहाल करना:** विनियमन 39(3) जैसे प्रावधान को वापस लाएं, जिसमें COC को प्रमुख निर्णयों (जैसे, योजना अस्वीकृति, परिसमापन) के कारणों को संक्षेप में दर्ज करने की आवश्यकता होती है।
- **डिजिटल रिकॉर्ड-कीपिंग:** COC बैठकों के डिजिटल हस्ताक्षरित, समय-मुद्रित मिनटों को अनिवार्य बनाना , ताकि आवश्यकता पड़ने पर निर्णय लेने वाले प्राधिकारियों को उनकी पहुंच में रहे।
- **स्वायत्तता और जवाबदेही में संतुलन बनाए रखना:** ऋणदाता की प्रधानता को कमजोर न करें, बल्कि निष्पक्षता बढ़ाने के लिए प्रक्रियात्मक अनुशासन सुनिश्चित करना।
- **IBC की संस्थागत वैधता को संरक्षित रखना**: संहिता की दक्षता, विश्वसनीयता और निवेशक विश्वास को बनाए रखने के लिए पारदर्शिता आवश्यक है।

स्रोत: **Businessline**